No. of Printed Pages : 6

MVS–013

P. G. DIPLOMA IN VASTUSHASTRA

(PGDVS)

Term-End Examination

December, 2024

MVS–013 : HOME AND COMMERCIAL VASTU

Time : 3 Hours *Maximum Marks : 100*

Note : *This question paper is divided into two Sections. Both Sections are compulsory. Answer the questions in accordance with the instructions given in each Section.*

Section—A

Note : Answer any *three* of the following questions.

3×20=60

1. Describe the nature, types and importance of houses.

2. Giving the introduction of Vastushastra, describe the types of Ekashala houses.

Downloaded from www.IGNOUBABA.com

3. Describe the arrangements of rooms in detail.

4. Elaborate the determination of the location of the treasury, granary, safety tank etc.

5. What do you understand by Shala ? Describe in detail its constitution in Vastu.

6. Describe the principles of floor, ceiling and stairs.

Section—B

Note : Answer any *four* of the following questions.

4×10=40

1. Describe the Ekashala and Dvishala types of buildings.

2. Elaborate the locations of ghee-oil stores and granaries.

3. Give an introduction of the method of Grihapravesha.

4. Briefly describe Vastudosha.

5. Describe Vastushanti on the basis of the prescribed excerpts.

Downloaded from www.IGNOUBABA.com

6. Briefly describe the Grihabhyantara (interior of the house) arrangement.

7. Elaborate the arrangements of rooms according to the ancient tradition.

8. Describe the trees that can be planted near the house.

Downloaded from www.IGNOUBABA.com

MVS–013

वास्तुशास्त्र में स्नातकोत्तर डिप्लोमा

(पी.जी.डी.वी.एस.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2024

एम.वी.एस.–013 : गृह एवं व्यावसायिक वास्तु

समय : 3 घण्टे अधिकतम अंक : 100

नोट : *यह प्रश्न-पत्र दो खण्डों में विभक्त है। दोनों खण्ड अनिवार्य हैं। खण्डों में दिए गए निर्देशानुसार ही प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

खण्ड–क

निर्देश : निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। 3×20=60

1. गृहों के स्वरूप, प्रकार एवं महत्व का वर्णन कीजिए।

Downloaded from www.IGNOUBABA.com

2. वास्तुशास्त्र का परिचय देकर एकशाल गृहों के प्रकारों का वर्णन कीजिए।

3. कक्ष-विन्यास का विस्तृत वर्णन कीजिए।

4. कोषागार, अन्नभण्डार एवं सेप्टी टैंक आदि के स्थान निर्धारण का वर्णन कीजिए।

5. शाला से आप क्या समझते हैं ? वास्तु में इसके विधान का विस्तृत वर्णन कीजिए।

6. तल, छत एवं सोपान के सिद्धान्तों का वर्णन कीजिए।

खण्ड–ख

निर्देश : निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। $4 \times 10 = 40$

1. एकशाल तथा द्विशाल भवनों का वर्णन कीजिए।

2. घी-तेल के भण्डार एवं अन्नभण्डार के स्थानों का वर्णन कीजिए।

3. गृहप्रवेश विधि का परिचय दीजिए।

Downloaded from www.IGNOUBABA.com

4. वास्तुदोष का संक्षेप में वर्णन कीजिए।

5. पठित अंश के आधार पर वास्तुशांति का परिचय दीजिए।

6. गृहाभ्यन्तर व्यवस्था का संक्षेप में वर्णन कीजिए।

7. प्राचीन परम्परा के अनुसार कक्ष-विन्यास का वर्णन कीजिए।

8. घर के समीप रोपणीय वृक्षों का वर्णन कीजिए।

× × × × × × ×

Downloaded from www.IGNOUBABA.com